INTELLIGENCE
(REVISION)

CLASS BA-lll, HOME SCIENCE

DR SEEMA
ASSISTANT PROFESSOR
I B (PG) COLLEGE, PANIPAT

बुद्धि परीक्षण

बुद्धि मापने के लिए सबसे पहला बुद्धि परीक्षण विने तथा साइमन ने 1905 में विकसित किया। इस परीक्षण में बुद्धि को मानसिक आयु के रूप में मापकर अभिव्यक्त किया गया। मानसिक आयु का पहला विचार विने ने दिया था।

मानसिक आयु की अवधारणा को सन् 1908 में अल्फ्रेड बिने ने बुद्धि परीक्षण में शामिल किया। सन् 1912 में मानसिक आयु की अवधारणा को बुद्धि लब्धि के रूप में विलियम स्टर्न ने उल्लेख किया।

1916 में विने - साइमन परीक्षण का सबसे महत्त्वपूर्ण संशोधन टरमैन ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में किया। इसी संशोधन में बुद्धिलब्धि के संप्रत्यय का बुद्धि परीक्षण में प्रयोग प्रारम्भ हुआ।

तैथिक आयु → इसे वास्तविक आयु भी कहते है। यह आयु व्यक्ति की वास्तविक आयु ही होती है। जैसे- किसी कि आयु 11 वर्ष है तो उसकी तैथिक आयु भी 11 वर्ष ही होगी।

मानसिक आयु → ये एक ऐसा प्राप्तांक है जिसका निर्धारण अपनी ही उम्र या अपने से कम या अधिक उम्र के वच्चों के औसत निष्पादन के साथ तुलना करके किया जाता है। जैसे-किसी वालक की वास्तविक आयु 6 वर्ष तथा वह 8 वर्ष के वालक के लिए वने वुद्धि परीक्षण में सफल हो जाता है, तो उस वालक की मानसिक आयु 8 वर्ष होगी।

बुद्धि लब्धि–

$$\text{Intelligence Quotient} = I + Q = IQ$$

- बुद्धि लब्धि का सर्वप्रथम प्रयोग जर्मन मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने सन् 1912 में किया।
- सन् 1912 में ही विलियम स्टर्न ने IQ का सूत्र बनाने का प्रयास किया। यह सूत्र IQ का प्रमाणिक सूत्र नहीं था।

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}}$$

- IQ का प्रमाणिक सूत्र सन् 1916 में अमेरिका के स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर टर्मन ने प्रतिपादित किया–

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100 \qquad IQ = \frac{MA}{CA} \times 100$$

- प्रोफेसर टर्मन ने अपने सहयोगियों की सहायता से IQ का वर्गीकरण किया, जो निम्न प्रकार से है–
- **टर्मन का बुद्धि लब्धि वर्गीकरण:–**

1.	25 से कम	–	जड़ बुद्धि (महामूर्ख बुद्धि)
2.	25 से 49	–	मूढ़ बुद्धि
3.	50 से 69	–	अल्प बुद्धि (मूर्ख बुद्धि)
4.	70 से 79	–	निर्बल बुद्धि (क्षीण/सीमान्त बुद्धि)
5.	80 से 89	–	मन्द बुद्धि
6.	90 से 109	–	सामान्य बुद्धि (औसत बुद्धि)
7.	110 से 119	–	प्रखर बुद्धि (तीव्र बुद्धि)
8.	120 से 139	–	अति प्रखर बुद्धि
9.	140 से ऊपर	–	प्रतिभाशाली

अन्य वैज्ञानिकों के अनुसार →

बुद्धि लब्धि के मान (Value of IQ)	*(Meaning)*
140 या इससे अधिक	प्रतिभाशाली (Genius)
120 से 139 तक	अति श्रेष्ठ (Very Superior)
110 से 119	श्रेष्ठ (Superior)
80 से 109 तक	सामान्य (Normal)
80 से 89 तक	मन्द (Dull)
70 से 79 तक	सीमान्त मन्द बुद्धि (Borderline feebleminded)
60 से 69 तक	मूंद बुद्धि (Moron)
20 से 59 तक	हीन बुद्धि (Imbecile)
20 का इससे कम	जड़ बुद्धि (Idiot)

बुद्धि परीक्षण के प्रकार

व्यक्तिगत बुद्धि परीक्षण तथा सामुहिक बुद्धि परीक्षण को भी दो भागों में वांटा जाता है → शाव्दिक (भाषात्मक) तथा अशाव्दिक (क्रियात्मक)

भाषात्मक परीक्षाएँ (शाब्दिक)–

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार– इस परीक्षा में भाषा का प्रयोग किया जाता है और अमूर्त बुद्धि की परीक्षा ली जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य यह ज्ञात करना होता है की व्यक्ति में पढ़ने-लिखने का कितना ज्ञान है। उसे प्रश्नों के उत्तर लिखकर उसके सामने गुणा (×) एवं गोला (0) बनाकर उत्तर लिखने होते है।

क्रियात्मक परीक्षाएँ (अशाब्दिक)–

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार–इस परीक्षा में प्रयोग उन व्यक्तियों के लिए किया जाता है जिन्हे भाषा का ज्ञान कम होता है या जो लिखना पढ़ना नही जानते। इसके अन्तर्गत मूर्त बुद्धि की परीक्षा ली जाती है। इस विधि के अन्तर्गत वास्तविक वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है।

व्यक्तिगत भाषात्मक परीक्षाएँ

1. बिने – सायमन बुद्धि स्केल–

- इन्होने 1905 में साइमन के साथ मिलकर यह परीक्षा विधि तैयार की था 1908 एवं 1911 में इस परीक्षा में कुछ संशोधन किया।
- यह परीक्षा विधि 3 वर्ष से 5 वर्ष के बच्चों के लिए थी।
- इस विधि का प्रयोग पेरिस के विद्यालय के मन्द बुद्धि छात्रों पर किया गया।
- यह टेस्ट मंद बुद्धि छात्रों का पता लगाने के लिए किया जाता था।

2. स्टेन फोर्ड बिने स्केल–

- अमेरिका में स्टेन फोर्ट विश्वविद्यालय के मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर टर्मन ने बिने के मापक (बिने साइमन बुद्धि स्केल) के अनेक दोषों को दूर करके सन् 1916 में एक नया रूप प्रदान किया, जो स्टेन फोर्ट बिने स्केल के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
- टर्मन ने सन् 1937 और 1960 में मैरिल के साथ मिलकर इस टेस्ट को पूर्णतः शुद्ध दोष रहित बना दिया।
- यह स्केल (स्टेन फोर्ट बिने स्केल) 2 वर्ष से 14 वर्ष के बालकों के लिए उपयोग में ली जाती हैं।
- इसमें कुल 90 प्रश्नावलियाँ है।

व्यक्तिगत क्रियात्मक (अशाब्दिक) परीक्षाएँ

1. पोरटियस भुलभुलैया टेस्ट-

- यह परीक्षण 3 वर्ष से 14 वर्ष के बालकों के लिए काम लिया जाता है।
- जिस आयु के बालक पर इस टेस्ट को डाला जाता है। उसके अनुसार कागज पर बना हुआ भुलभुलैया का एक चित्र और पेंसिल बालक को दे दी जाती है। बालक उस पेंसिल से बाहर निकलने का निशान लगाता है या मार्क अंकित करता है। यदि बालक प्रयास करते समय असफल रहता है तो यह माना जाता है कि बालक में बुद्धि का विकास उसकी आयु के अनुसार कम है।

2. वैश्लर बुद्धि परीक्षण–

- इस परीक्षण का निर्माण सन् 1939 में वैशलर ने किया, जो न्यूयार्क सिटी के बेलेभ्यू अस्पताल में काम करते थे।
- यह परीक्षण 16 वर्ष से 64 वर्ष के व्यक्तियों की बुद्धि परीक्षा के लिए किया गया। सन् 1955 तथा 1981 में इसमें संशोधन किया गया।
- वर्तमान में वयस्कों की बुद्धि लब्धि/ बुद्धि परीक्षा ज्ञात करने के लिए इस टेस्ट को सर्वाधिक काम में लिया जाता है।
- सन् 1949 में वैशलर ने बच्चों की बुद्धि मापनी के लिए एक दूसरा परीक्षण बनाया जिसका नाम 'वैशलर बुद्धि मापनी–बच्चों के लिए' रखा।

Thank you